गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 248
दि. 08.01.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बरकरार या बनेगी सरकार? सरकार बनाने के लिए चल रही लगातार कोशिशें

(जीएनएस)।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, राज्य में फिर से चुनी हुई सरकार बनाने के लिए लगातार बातचीत चल रही है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन 13 फरवरी को एक साल पूरा कर लेगा और कानून के मुताबिक इसे एक साल से ज्यादा बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन जरूरी होगा।

इसी वजह से केंद्र सरकार सरकार गठन के सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। फिलहाल मणिपुर विधानसभा निलंबित स्थिति में है। आइए जानते हैं सरकार गठन का केंद्र के सामने क्या चुनौतियां हैं... अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति शासन को आगे बढ़ाना सरकार की पहली पसंद नहीं है। सरकार चाहती है कि मेइती और कुकी-जो समुदाय के विधायक आपसी सहमति से राज्य में सरकार बनाएं।

विस्थापित लोगों की वापसी का क्या है रास्ता?

पिछले एक हफ्ते में मणिपुर की स्थिति को लेकर दो बड़ी बैठकें हुई हैं। इन बैठकों में गृह मंत्री अमित शाह और गृह सचिव गोविंद मोहन शामिल रहे। 2 जनवरी को हुई बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला भी मौजूद थे। इनमें यह चर्चा हुई कि राष्ट्रपति शासन जारी रखा जाए या सरकार बहाल की जाए। बैठकों में हिंसा के कारण घर छोड़ने वाले लोगों की वापसी और दोनों समुदायों के लोगों की सुरक्षित आवाजाही पर भी बात हुई।

गौरतलब है कि 3 मई 2023 को मणिपुर में शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक करीब 250 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 60 हजार लोग अपने घरों से विस्थापित हुए थे। सरकारी आंकड़ों की मानें तो, पिछले एक महीने में करीब 9,000 विस्थापित लोग राहत शिविरों से अपने घरों में लौट चुके हैं, जहां वे पिछले दो सालों से रह रहे थे।

बीजेपी विधायकों की बैठक संभव

सूत्रों के अनुसार, 14 जनवरी को मणिपुर के बीजेपी विधायक पार्टी के वरिष्ठ नेता बी. एल. संतोष से गुवाहाटी में मिल सकते हैं। इस बैठक में सरकार गठन को लेकर अहम फैसले हो सकते हैं। अगर राष्ट्रपति शासन बढ़ाना पड़ा तो संसद में संविधान संशोधन लाना होगा। लेकिन फिलहाल सरकार की कोशिश यही है कि राज्य में सरकार बनाई जाए।

भारत में किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन अधिकतम 3 साल तक रह सकता है, लेकिन यह अपने-आप में आसान प्रक्रिया नहीं होती। संविधान इसके लिए सख्त शर्तें तय करता है। राष्ट्रपति शासन पहली बार 6 महीने के लिए लगाया जाता है। हर 6 महीने में संसद की मंजूरी से इसे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन अधिकतम 1 साल तक।

1 साल के बाद राष्ट्रपति शासन तभी बढ़ सकता है जब देश या राज्य में राष्ट्रीय आपातकाल लागू हो या चुनाव आयोग यह प्रमाणित करे कि राज्य में चुनाव कराना संभव नहीं है। इन शर्तों के साथ राष्ट्रपति शासन को हर 6 महीने में मंजूरी लेते हुए अधिकतम 3 साल तक बढ़ाया जा सकता है। 1 साल के बाद राष्ट्रपति शासन बढ़ाना अपवाद माना जाता है, सामान्य नियम नहीं। सुप्रीम कोर्ट भी लंबे राष्ट्रपति शासन को लोकतंत्र के खिलाफ मानता है।

केंद्र के पास क्या है चुनौती

सरकार गठन में केंद्र के सामने क्या है चुनौती

हालांकि सरकार गठन की कोशिशों के बीच कुकी-जो समुदाय के नागरिक संगठनों ने इसका विरोध किया है। वे अलग प्रशासन की मांग पर अड़े हुए हैं। वहीं मेइती समुदाय के संगठनों ने राज्य की सीमाओं में किसी भी तरह के बदलाव का विरोध किया है। 6 जनवरी को कुकी-जो काउंसिल (केजेडसी) ने 30 दिसंबर को पारित अपने प्रस्ताव को दोहराते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में कुकी-जो लोग मणिपुर में सरकार गठन की प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते।

विधानसभा का गणित समझिए

60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में भाजपा के पास 37 विधायक हैं, जिनमें से सात कुकी-जो समुदाय से आते हैं। कुल मिलाकर विधानसभा में कुकी-जो समुदाय के 10 विधायक हैं। ऐसे में सरकार गठन के लिए राजनीतिक सहमति और सामाजिक संतुलन केंद्र सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। अब सबकी नजर आने वाले दिनों में होने वाली बैठकों पर है, जिनसे तय होगा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन खत्म होगा या नहीं।

मोदी ने नेतन्याहू से की बातचीत, दोनों ने और अधिक दृढ़ता के साथ आतंक से लड़ने का लिया संकल्प

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने आतंकवाद से और अधिक दृढ़ता के साथ लड़ने के अपने साझा संकल्प भी लिया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने आतंकवाद से और अधिक दृढ़ता के साथ लड़ने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, "अपने मित्र प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके और उन्हें तथा इजराइल के लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं देकर मुझे खुशी हुई।" उन्होंने कहा, "हमने आने वाले वर्ष में भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।" मोदी ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय हालात पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

'यह बैंगन नहीं है..': खेल मंत्री मांडविया ने मोहन बागान का किया गलत उच्चारण; टीएमसी ने उड़ाया मजाक

(जीएनएस)।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी मौसम के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का मजाक उड़ाया, क्योंकि उन्होंने कोलकाता के फुटबॉल क्लब मोहन बागान के नाम का उच्चारण प्रेस कॉन्फ्रेंस में गलत कर दिया था। वीडियो क्लिप में मांडविया 'मोहन बागान' को सही से बोलने में संघर्ष करते नजर आए। आखिरकार उन्होंने ऐसा शब्द कहा जो 'बैंगन' यानी सब्जी के नाम जैसा सुनाई दिया।

इस गलत उच्चारण के कारण जल्द ही ऑनलाइन उनका मजाक उड़ाया जाने लगा। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी ने बुधवार को इस वीडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया दी और केंद्रीय मंत्री का मजाक उड़ाते हुए उनके उच्चारण में गलती को उजागर किया।

टीएमसी ने कहा, केंद्रीय खेल मंत्री ने एक बार फिर दिखा दिया कि भाजपा बंगाल के प्रति गहरा तिरस्कार भाव रखती है। उन्होंने हमारे सबसे सम्मानित फुटबॉल संस्थानों के नाम गलत बोले। प्रसिद्ध मोहन बागान को 'मोहन बैंगन' और ईस्ट बंगाल को 'ईस्ट बैंगन' कहा।

पार्टी ने आगे लिखा, बंगालियों के लिए मोहन बागान और ईस्ट बंगाल पहचान और गर्व के प्रतीक हैं। हमने इस खूबसूरत खेल को एक सदी से जिया है, जीत का जश्न त्योहारों की तरह मनाया और हार को व्यक्तिगत नुकसान की तरह महसूस किया।

टीएमसी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह बंगाल को 'बांग्ला-विरोधी अहंकार' की नजर से देखती है और उनके लिए बंगाल से जुड़ी किसी भी चीज का मतलब केवल मजाक और तिरस्कार ही है।

पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जो बंगाल को बांग्ला-विरोधी अहंकार की नजर से देखते हैं, वे इन पवित्र नामों का सही से उच्चारण करने का बुनियादी शिष्टाचार भी नहीं दिखा सकते।

आधार कार्ड धारकों को बड़ा झटका! नए साल से पीवीसी कार्ड और अपडेट कराना हुआ महंगा

(जीएनएस)।

बैंकिंग से लेकर सरकारी योजनाओं तक हर जगह आधार कार्ड की अहमियत बढ़ती जा रही है। इसे और सुरक्षित बनाने के लिए UIDAI (यूनिक आइडेंटिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने PVC आधार कार्ड पेश किया है। यह पुराने आधार कार्ड के मुकाबले ज्यादा मजबूत और लंबा चलने वाला है।

नेशनल डेस्कः बैंकिंग से लेकर सरकारी योजनाओं तक हर जगह आधार कार्ड की अहमियत बढ़ती जा रही है। इसे और सुरक्षित बनाने के लिए UIDAI (यूनिक आइडेंटिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने PVC आधार कार्ड पेश किया है। यह पुराने आधार कार्ड के मुकाबले ज्यादा मजबूत और लंबा चलने वाला है। साथ ही अब वकऊअक ने आधार अपडेट और ढश्ज कार्ड बनवाने की फीस भी बढ़ा दी है।

आधार अपडेट के लिए फीस में बदलाव

UIDAI ने नाम, पता और मोबाइल नंबर जैसी जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने की सुविधा शुरू की है। यह सुविधा 1 नवंबर 2025 से शुरू की गई है। अब नाम और पता बदलने की ऑनलाइन फीस 50 रुपये से बढ़ाकर 75 रुपये कर दी गई है। हालांकि, ऑनलाइन अपडेट 14 जून 2026 तक मुफ्त में किया जा सकेगा। ऑफलाइन आधार सेवा केंद्रों पर भी फीस बढ़ गई है। फोटो अपडेट कराने पर अब 125 रुपये और आधार कार्ड रीप्रिंट कराने पर 40 रुपये का शुल्क लगेगा। नया सिस्टम जानकारी को सीधे UIDAI डेटाबेस से वेरिफाई करेगा, जिससे कई बार आधार सेवा केंद्र जाने की जरूरत नहीं होगी।

PVC आधार कार्ड की खासियत

PVC आधार कार्ड पुराने आधार कार्ड से थोड़ा छोटा और वॉलेट या जेब में आसानी से फिट हो जाता है। यह पॉलीविनाइल क्लोराइड से बना होता है और इसमें कई सुरक्षा फीचर्स जैसे दफ कोड, होलोग्राम, माइक्रो टेक्स्ट और गिलौच पैटर्न मौजूद हैं। ये फीचर्स कार्ड को मजबूत और फ्रॉड से सुरक्षित बनाते हैं।

यह कार्ड एटीएम कार्ड जैसा डिजाइन वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) 'समुद्र प्रताप' की कमीशनिंग की सराहना की

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) ह्यसमुद्र प्रतापह्न की कमीशनिंग को भारत के समुद्री सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस उन्नत पोत का बेड़े में शामिल होना अनेक कारणों से उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कमीशनिंग रक्षा और समुद्री क्षमताओं के क्षेत्र में देश के आत्मनिर्भर भारत के विजन को और सुदृढ़ करती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलती है, तटीय निगरानी सशक्त होती है और भारत के व्यापक समुद्री हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। साथ ही, इसमें पर्यावरण-अनुकूल संचालन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों के समावेशन से स्थायित्व के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता भी परिलक्षित होती है।

प्रधानमंत्री मोदी 10 जनवरी को गुजरात जाएंगे, सोमनाथ मंदिर में दर्शन और जर्मन चांसलर की करेंगे मेजबानी

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री मोदी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत शौर्य यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का उद्घाटन

करेंगे। पीएम मोदी 12 जनवरी को जर्मन चांसलर से मुलाकात करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय गुजरात दौरे के तहत 10 जनवरी को गुजरात पहुंचेंगे। इस दौरान वह ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और गांधीनगर में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री गुजरात दौरे के दौरान सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत शौर्य यात्रा का नेतृत्व करेंगे। यह एक किलोमीटर लंबी यात्रा होगी, जिसमें 108 घोड़े शामिल होंगे।

पीएम मोदी राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन का भी उद्घाटन करेंगे। राज्य मंत्री और सरकारी प्रवक्ता जीतू वाघानी ने बताया, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत मोदी 10 जनवरी की शाम को वेरावल के पास सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे। स्वाभिमान पर्व भारतीय सभ्यता के लचीलेपन का प्रतीक है, जिसका प्रतीक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण है। इस मंदिर को लगभग 1000 साल पहले महमूद गजनी के आक्रमण से शुरू होकर विदेशी आक्रमणकारियों ने बार-बार तबाह किया था। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में अरब सागर तट पर स्थित भगवान शिव के मंदिर में साल भर उत्सव मनाया जा रहा है।

वाघानी ने बताया, सोमनाथ पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मंदिर परिसर में ड्रोन शो में शामिल होंगे और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उसकी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। 11 जनवरी को मोदी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे, मंदिर के पास स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और दोपहर में अपने सार्वजनिक संबोधन स्थल तक 108 घोड़ों की भव्य शौर्य यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद वे राजकोट जाएंगे और कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का उद्घाटन करेंगे। 11 जनवरी को, मोदी साबरमती आश्रम का दौरा करेंगे, जिसका वर्तमान में बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और विस्तार कार्य चल रहा है।

पीएम मोदी 12 जनवरी की सुबह अहमदाबाद में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता संयुक्त रूप से साबरमती आश्रम का दौरा करेंगे, जहां महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान निवास किया था और साबरमती नदी तट पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लेंगे। अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री अहमदाबाद के पुराने उच्च न्यायालय स्टेशन से गांधीनगर के महात्मा मंदिर तक मेट्रो से यात्रा करेंगे, ताकि सचिवालय से महात्मा मंदिर तक नवनिर्मित मेट्रो मार्ग के उद्घाटन को चिह्नित किया जा सके।

राज्य सरकार के अधीनस्थ सड़क मार्गों के 41 कार्यों के लिए केन्द्रीय सड़क एवं अवसरंचना निधि से 1078 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा गांधीनगर में नवंबर-2025 में आयोजित बैठक की फलश्रुति

कुल 564.57 किलोमीटर लंबाई में वाइडनिंग, स्ट्रेंदनिंग, रिसरफेसिंग तथा स्ट्रक्चर के विभिन्न कार्य शुरू किए जाएंगे

कनेक्टिविटी तथा ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन को अधिक गति मिलेगी, पीएम गति शक्ति अंतर्गत लॉजिस्टिक्स परिवहन में सरलता होगी

गांधीनगर, 07 जनवरी : भारत सरकार की केन्द्रीय सड़क एवं अवरसंरचना निधि (सेंट्रल रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड- सीआरआईएफ) से गुजरात को राज्य सरकार के अधीनस्थ सड़क मार्गों के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 1078.13 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

गुजरात में राज्य सरकार के अधीनस्थ सड़क मार्गों के कार्यों के लिए आवंटित की गई इस बड़ी राशि से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क को सुदृढ़ बनाकर कनेक्टिविटी तथा ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन को गति देने का दृष्टिकोण साकार होगा। इतना ही नहीं; पीएम गति शक्ति अंतर्गत लॉजिस्टिक्स परिवहन में सरलता होगी और वह तेज बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा राज्य के सड़क मार्गों तथा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा के लिए गत नवंबर-2025 में गांधीनगर में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक की फलश्रुति के रूप में गुजरात को 1078.13 करोड़ रुपए की यह राशि राज्य सरकार के अधीनस्थ सड़क मार्गों के कार्य शुरू करने के लिए आवंटित की गई है।

सीआईआरएफ की जो यह राशि राज्य सरकार के अधीनस्थ सड़क मार्गों के कार्यों के लिए स्वीकृत की गई है, उससे कुल 564.57 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न 41 कार्य शुरू किए जाने वाले हैं।

तद्अनुसार; पाटण, कच्छ, बनासकाँठा, खेडा, महीसागर, छोटा उदेपुर, वलसाड, अमरेली, जामनगर तथा वडोदरा जिलों में राज्य राजमार्गों पर 229.20 किलोमीटर लंबाई में चौड़ीकरण के 11 कार्य शुरू करने के लिए 636 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं।

सड़क सुदृढ़ीकरण तथा पुनः सतहीकरण के जो 23 कार्य 335.37 किलोमीटर में 408.33 करोड़ रुपए की लागत से शुरू किए जाने वाले हैं; उनमें अहमदाबाद, खेडा, आणंद, अरवल्ली, महीसागर, तापी, नवसारी, देवभूमि द्वारका, सुरेन्द्रनगर, अमरेली, सूरत तथा जामनगर जिलों के कार्यों का समावेश होता है।

इन कार्यों के अतिरिक्त; केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि से स्ट्रक्चर के (ढाँचों से जुड़े) जिन 7 कार्यों के लिए 33.80 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं; उनमें तापी, सूरत तथा डांग जिलों के कार्य शामिल किए जाएंगे।

ममता बनर्जी का सनसनीखेज आरोप, एसआईआर प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग भाजपा आईटी सेल के एप का कर रही उपयोग

कोलकाता। (जीएनएस)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य में एसआइआर प्रक्रिया को संचालित करने के लिए भाजपा के आइटी सेल द्वारा विकसित मोबाइल एप का उपयोग कर रहा है।

दक्षिण 24 परगना जिले के सागरद्वीप में आगामी गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अपने दो दिवसीय दौरे के समापन से पहले उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान हर तरह के गलत हथकंडे अपना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग योग्य मतदाताओं को मृत घोषित कर रहा है और बुजुर्गों, बीमारों तथा अस्वस्थ लोगों को सुनवाई में शामिल होने के लिए मजबूर कर रहा है। इसके लिए वह भाजपा के आइटी प्रकोष्ठ द्वारा विकसित मोबाइल एप का इस्तेमाल कर रहा है। यह गैरकानूनी, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। यह अब और नहीं चल सकता।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने यह आरोप उस दिन लगाया, जब उनकी पार्टी के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि बंगाल में एसआइआर के लिए मनमानी और अनियमित कार्रवाइयों का सहारा लिया है।

सम्पादकीय

अंकिता भंडारी मामले में न्याय की मांग

अंकिता भंडारी हत्याकांड केस में वीआईपी का नाम सामने आने के बाद न्याय की मांग ने नए सिरे से तूल पकड़ लिया है। सामाजिक संगठनो और कांग्रेस ने रविवार को कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर बड़े स्तर पर प्रादर्शन किया। कार्यकताओं ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास तक जाने की कोशिश की। इधर दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी मामले में न्याय की मांग पर प्रादर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। इस मुद्दे को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बंद का ऐलान किया गया है। इसके अलावा आने वाले दिनों में मशाल जुलूस और प्रादर्शनों का सिलसिला भी जारी रहने की उम्मीद है। बता दें कि अंकिता भंडारी मर्डर केस क्या है? अंकिता भंडारी (19) वन्तारां रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थी। 18 सितम्बर 2022 को वह अचानक लापता हो गईं। वुछ दिनों बाद उसका शव चीला वैनाल में बरामद हुआ। रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और दो कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट में उन्हें उम्र वैद की सजा सुनाई गई। उन्हें हत्या, सबूत मिटाने और अन्य गंभीर आरोपों के तहत सजा मिली। कोर्ट ने अंकिता के परिवार को मुआवजा भी देने का आदेश दिया। हाल में अंकिता केस ने सोशल मीडिया और वुछ वीडियो- ऑडियो क्लिप की वजह से वीआईपी का नाम चर्चा में आया। हालांकि पुलिस ने ऐसे किसी व्यक्ति की भूमिका से इंकार किया है। उर्मिला सनावर नाम की महिला ने ये क्लिप शेयर किए थे, जिसमें एक शख्स को गट्टू नाम का बताया गया। इसके बाद बड़े नेता यानि वीआईपी का नाम सामने आया। आरोप लगा कि वीआईपी भाजपा का एक सीनियर नेता है। उत्तराखंड महिला मंच के बुलाने पर 4 जनवरी को देहरादून में जबरदस्त प्रादर्शन किया गया। प्रोटेस्ट को उत्तराखंड व्रांति दल, कांग्रेस और कई संगठन अपना समर्थन दे रहे हैं। किन्नर भी न्याय के लिए सामने आए हैं। इस पूरे मामले में सीबीआई जांच, वीआईपी का नाम और जितनी शंकाएं उठ रही हैं, उनकी जांच करवाने को लेकर उत्तराखंड महिला मंच द्वारा बुलाए गए प्रोटेस्ट में हजारों युवाओं ने भी भाग लिया। देहरादून में इस प्रोटेस्ट के दौरान पुलिस व कांग्रेस के प्रादर्शनकारियों के बीच जबरदस्त नोंकझोंक भी हुई। वहीं भाजपा ने जिला मुख्यालय में अंकिता भंडारी मामले को लेकर कांग्रेस पर झूठ पैलाने का आरोप लगाया और कांग्रेस के पुतले भी पूंके। कांग्रेस, उत्तराखंड व्रांति दल (उव्रंद), महिला मंच, वामपंथी दलों और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता परेड ग्राउंड में एकत्र हुए और मुख्यमंत्री आवास की ओर वूच करते हुए हत्याकांड में सपेदपोश के नाम का खुलासा किए जाने के लिए प्राकरण की जांच सीबीआई को सौंपे जाने की अपनी मांग को दोहराया। इस विरोध मार्च में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पाटा (माले) के राज्य सचिव इंद्रेश येचुरी ने कहा कि हत्याकांड की जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी शेखर सुभात द्वारा मामले में किसी वीआईपी की संलिप्तता न होने संबंधी बयान से सहमत नहीं हुआ जा सकता। येचुरी ने कहा कि उनकी मांग है कि मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए ताकि वीआईपी का पता चल सके। हमारा भी मानना है कि अब यह मामला इतना तूल पकड़ चुका है कि असलीयत का पता चलना ही चाहिए। अगर सरकार इतनी निष्पक्ष है तो क्यों नहीं सीबीआई जांच करा लेती। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा और धामी सरकार पर यह आरोप भी नहीं लगेगा कि वह इस व्यक्ति वीआईपी को बचाने के लिए मामले की लीपापोती कर रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल लिक्टेनस्टीन की यात्रा पर। यहां भारत-ईएफटीए टीईपीए सहयोग के कार्यान्वयन और निवेश प्रोत्साहन की उन्होंने समीक्षा की

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल लिक्टेनस्टीन की यात्रा पर। यहां भारत-ईएफटीए टीईपीए सहयोग के कार्यान्वयन और निवेश प्रोत्साहन की उन्होंने समीक्षा की

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 7 जनवरी 2026 को लिक्टेनस्टीन की आधिकारिक यात्रा की। यात्रा के दौरान, श्री गोयल ने वाडुज कैसल में युवराज वॉन उंड जु लिक्टेनस्टीन से एक सौजन्य भेंट की। प्रधानमंत्री सुश्री ब्रिगिटे हास से भेंट की और उप-प्रधानमंत्री सुश्री सबाइन मोनाउनी, एवं विदेश मामलों, पर्यावरण और संस्कृति मंत्री के साथ बैठक की। ओआरएफ के साथ उन्होंने साक्षात्कार में भाग लिया और उप-प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित भोज में शरीक हुए। हिल्टी एजी का दौरा किया और वहां के उच्च नेतृत्व के साथ बातचीत की।

वाणिज्य मंत्री की 2026 की यह पहली मंत्रिस्तरीय यात्रा भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के कार्यान्वयन को तेज करने और इसे निरंतर व्यापार, निवेश तथा विनिर्माण साझेदारियों में बदलने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की रचनात्मक भूमिका और उनके आशावाद पर जोर को भी याद किया। प्रधानमंत्री मोदी की इस बात को दोहराया गया : ह्रअनिश्चितता के बीच विश्व भारत को आशा की किरण के रूप में देख रहा है ह्व मंत्री ने नोट किया कि यह भावना भारत के इन साझेदारियों के प्रति उस दृष्टिकोण को गुंजायमान करता है जो व्यवसायों, एमएसएमई, किसानों, मछुआरों और विभिन्न समुदायों के लिए वास्तविक परिणाम पैदा करना चाहते हैं।

टीईपीए भारत के विकसित ईएफटीए देशों (आइसलैंड, लिक्टेनस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड) के समूह के साथ पहला मुक्त व्यापार समझौता है। यह भारतीय उत्पादों की बेहतर गुणवत्ता, भारतीय निर्यात के विस्तारित और विविधीकृत रेंज तथा ह्रमेक इन इंडियाह्व और ह्रमेक फॉर द वर्ल्डह्व को समर्थन देने वाली भारत की विनिर्माण क्षमताओं के निरंतर सशक्तिकरण का संकेत देता है।मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि टीईपीए उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक संबंधों की ओर एक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। भारत का विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र वैश्विक बाजारों के पैमाने गढ़ने से लेकर, प्रतिस्पर्धात्मकता और विश्वसनीयता

को तेजी से संयोजित कर रहा है।

लिक्टेनस्टीन नेतृत्व और व्यापार समुदाय के साथ अपनी बैठकों में, मंत्री ने भारत की विकास गाथा को दीर्घकालिक साझेदारी के लिए स्थिर और परिमाणात्मक आधार के रूप में प्रस्तुत किया। भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका 2025 में अनुमानित जीडीपी 4.13 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। भारत पैमाने और सुधार गति दोनों प्रदान करता है जिसका अपना एक बड़ा और विस्तारित उपभोक्ता बाजार, गहन औद्योगिक आधार, तथा व्यापार करने की सुगमता है तथा, डिजिटलीकरण तथा बुनियादी ढांचा-आधारित प्रतिस्पर्धात्मकता पर जहां निरंतर ध्यान दिया जा रहा है।

इस दौरान दोनों पक्षों ने वैश्विक व्यापारिक वातावरण पर भी अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। अभी दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखलाओं को विभिन्न व्यवधानों, अनिश्चितताओं तथा घोर अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में भारत और लिक्टेनस्टीन निवेशकों और उद्यमों को स्थिरता तथा अनुमानितता प्रदान करने के लिए अपनी परस्पर ताकतों को जोड़ सकते हैं। भारत का पैमाना, प्रतिभा तथा विनिर्माण गहराई लिक्टेनस्टीन की विशेषीकृत औद्योगिक क्षमताओं, उच्च-मूल्य नवाचार तथा वित्तीय विशेषज्ञता को पूरक बना सकती है। दोनों एक साथ मिलकर लचीली मूल्य श्रृंखलाएं बना सकते हैं तथा एक विश्वसनीय निवेश पुल का निर्माण कर सकते हैं, जो अभी अस्थिर हो रहे विश्व में विश्वास और आशा का संकेत भेजेगा।हिल्टी एजी में, मंत्री ने उद्योग-से-उद्योग की साझेदारियों को मजबूत करने, उच्च मूल्य संवर्धन, एमएसएमई सहित आपूर्तिकर्ता संपर्कों तथा वैश्विक संचालन में भारत-आधारित उत्पादन की विस्तारित भूमिका के लिए अपनी वार्ता के जरिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने लिक्टेनस्टीन कंपनियों और टीईपीए को भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने, विनिर्माण तथा नवाचार साझेदारियां बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में भारत के विस्तारित अवसरों में भाग लेने के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करने के लिए आमंत्रित किया।

यात्रा का समापन भारत-लिक्टेनस्टीन तथा व्यापक भारत-ईएफटीए सहयोग को आने वाले महीनों में तेज करने के आह्वान के साथ हुआ। मंत्री ने ईएफटीए कंपनियों को भारत के प्रमुख व्यापार एवं निवेश आयोजनों में अधिक भागीदारी के लिए जोर दिया तथा व्यापार संवादों और प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से निकट सहयोग के लिए आमंत्रित किया। टीईपीए द्वारा भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश को सुगम बनाने तथा 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई गई है। टीईपीए के तहत ईएफटीए का जो बाजार पहुंच प्रस्ताव है उसमे गैर-कृषि उत्पादों का 100% तथा प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों (पीएपी) पर टैरिफ छूट को कवर करना शामिल है। फार्मा, चिकित्सा उपकरण एवं प्रसंस्कृत खाद्य आदि क्षेत्रों को पीएलआई से संबंधित संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रस्ताव दिए गए हैं। ईएफटीए को भारत द्वारा दिया प्रस्ताव 82.7% टैरिफ लाइनों को कवर करता है, जो ईएफटीए निर्यात के 95.3% के बराबर है। इन आयातों का 80% से अधिक सोना है, जिसमें सोने पर प्रभावी शुल्क में कोई बदलाव नहीं है। संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की गई है, जिनमें फार्मा, चिकित्सा उपकरण, प्रसंस्कृत खाद्य, डेयरी, सोया, कोयला तथा संवेदनशील कृषि उत्पाद शामिल हैं। भारत अपने यहां लिक्टेनस्टीन और ईएफटीए के उद्यमियों का ज्यादा से ज्यादा स्वागत करने को तैयार है जिसका उद्देश्य टीईपीए को एक मजबूत निवेश केंद्र बनाने तथा गहन प्रौद्योगिकी साझेदारियों तथा वैश्विक व्यापार एवं निवेश प्रवाहों में अपनी एक बड़ी छाप छोड़ना है।

****

सोमनाथ से क्या है अमिताभ बच्चन का खास कनेक्शन? क्यों हुआ वीडियो वायरल?

(जीएनएस)। सोमनाथ मंदिर केवल एक मंदिर नहीं बल्कि देश की आन-बान और शान हैं, गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में अरब सागर के तट पर स्थित ये मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम है, जहां के बारे में कहा जाता है कि' इस दर से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता, भोलेनाथ हर किसी की झोली भरते हैं।'

ये मंदिर भारतीय सभ्यता,आस्था और पुनर्निर्माण की अदम्य शक्ति का प्रतीक भी है, जिस पर साल 1026 से लेकर अब तक सोमनाथ मंदिर पर कई बार हमले हुए लेकिन आज भी यह पूरी मजबूती के साथ खड़ा है।

इस साल सोमनाथ मंदिर के प्रति अटूट आस्था के 1000 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जा रहा है, जो 8 जनवरी से 11 जनवरी तक चलेगा और 11 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सोमनाथ का दौरा करेंगे। आपको बता दें इस सोमनाथ मंदिर से बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन का भी खास कनेक्शन है, अब आप सोच रहे होंगे कि कैसै?

सोमनाथ मंदिर से अमिताभ बच्चन का है खास कनेक्शन

दरअसल अमिताभ बच्चन साल 2010 में गुजरात के 'ब्रांड एबेंसडर' थे, पीएम मोदी तब गुजरात के सीएम थे तो उन्होंने अमिताभ बच्चन से

निवेदन किया था कि' वो गुजरात टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए आगे आएं, उस वक्त अमितभ के 'खुशबू गुजरात की' अभियान के तहत कई वीडियो वायरल हुए थे जिसकी टैग लाइन थी- 'कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में'।

उस वक्त इन वीडियो ने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी, उन वीडियो में बहुत सारे गुजरात के दर्शनीय स्थल थे,जिसमें सोमनाथ मंदिर भी था, जहां की भव्यता देखकर सदी का महानायक अपने सारे संवाद भूल गया था, ये बात अमिताभ ने अपने कई इंटरव्यू में खुलकर कही भी है।

सोमनाथ मंदिर प्रकृति की अनमोल धरोहर

उस कैंपन के लिए एक भी पैसा ना लेने वाले अमिताभ बच्चन ने एक इवेंट में कहा था कि 'सोमनाथ मंदिर प्रकृति की अनमोल धरोहर में से एक है, जहां हर किसी को एक बार जरूर आना चाहिए'।

उन्होंने सोमनाथ मंदिर से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री और ऑडियो-विजुअल प्रोजेक्ट्स में वॉयस ओवर दिया, जिसमें मंदिर के गौरवशाली इतिहास, विध्वंस और पुनर्निर्माण की गाथा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया और इसलिए आज जब सोमनाथ मंदिर की बात हुई तो अमिताभ का पुराना वीडियो वायरल हो गया।

सोमनाथ मंदिर का उल्लेख ऋग्वेद, स्कंद पुराण, शिव पुराण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है सोमनाथ मंदिर

इतिहास के पन्नों में यह मंदिर कई बार विदेशी आक्रमणों का शिकार हुआ। महमूद गजनवी से लेकर अन्य आक्रांताओं ने इसे ध्वस्त किया, लेकिन हर बार यह मंदिर पुनः उसी भव्यता के साथ खड़ा हुआ। आज का सोमनाथ मंदिर भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणा से पुनर्निर्मित हुआ, जो स्वतंत्र भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बना।

केजीएफ' स्टार यश किस धर्म को करते हैं फॉलो?

कन्नड़ सिनेमा के मेगास्टार यश आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। बच्चों से लेकर युवाओं तक हर उम्र के दर्शक उनके स्वैग, दमदार डायलॉग्स और स्क्रीन प्रेजेंस के दीवाने हैं।

पैन इंडिया सुपरस्टार बन चुके हैं यश

केजीएफ फ्रेंचाइजी की ऐतिहासिक सफलता के बाद यश न सिर्फ साउथ इंडस्ट्री बल्कि पैन इंडिया सुपरस्टार बन चुके हैं। अब साल 2026 में उनकी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक रिलीज के लिए तैयार है, जो पहले से ही सुर्खियों में बनी हुई है।

40वां जन्मदिन

आपको बता दें कि जिस मुकाम पर यश आज खड़े हैं, वहां पहुंचने का उनका सफर संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास से भरा रहा है। कम ही लोग जानते हैं कि यश ने न सिर्फ बिना गॉडफादर के इंडस्ट्री में जगह बनाई है बल्कि अपना नाम तक बदलकर एक नई पहचान गढ़ी है। आज यानी 8 जनवरी 2026 को यश अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं।

बिना गॉडफादर के सुपरस्टार बने यश

-40 साल की उम्र में यश कन्नड़ सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं लेकिन उनका शुरूआती जीवन बेहद साधारण रहा था। यश का जन्म कर्नाटक के हासन जिले के भुवानाहल्ली गांव में हुआ था। उनके पिता एक ट्रक ड्राइवर थे और बाद में ङरफ्ळउ परिवहन सेवा से जुड़ ए थे।

-मिडिल क्लास परिवार से आने वाले यश के लिए फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाना आसान नहीं था। न कोई फिल्मी बैकग्राउंड,न कोई गॉडफादर,फिर भी उन्होंने अपने टैलेंट और जिद के दम पर ये मुकाम हासिल किया है।

क्या है यश का असली नाम?

बहुत कम लोग जानते हैं कि रॉकिंग स्टार यश का असली नाम नवीन कुमार गौड़ा है। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले उन्होंने अपना नाम बदलकर यश रख लिया था जो आगे चलकर उनकी पहचान बन गया।

क्या है केजीएफ एक्टर यश की जाति?

कन्नड़ एक्टर यश (नवीन कुमार गौड़ा) एक ऐसे परिवार से आते हैं जिसका बैकग्राउंड अलग-अलग है। उनके पिता अरुण कुमार एक गैर-ब्राह्मण समुदाय से हैं। वह सरनेम गौड़ा (जो वोक्कालिगा और कुरुबा जैसे जाति से जुड़ा है) का इस्तेमाल करते हैं। वहीं यश की मां एक अलग बैकग्राउंड से हैं, जो उनके माता-पिता की इंटर-कास्ट शादी को दिखाता है।

कौन सा धर्म मानते हैं यश?

यश हिंदू धर्म को मानते हैं, जो दक्षिण भारत में एक आम धर्म है जबकि उनके पिता के परिवार ने "गौड़ा" सरनेम का इस्तेमाल किया है। यश का पालन-पोषण हिंदू धर्म में हुआ है। पहले उनका नाम यशवंत रखा गया था जो कि हिंदू ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार चुना गया था। यश को भगवान शिव से जुड़ा एक नाम (नंजुंदेश्वर) भी दिया गया था।

टीवी से फिल्मों तक का सफर

-यश ने अपने करियर की शुरूआत फिल्मों से नहीं बल्कि कन्नड़ टीवी इंडस्ट्री से की थी। यश ने अभिनय की दुनिया में पहला कदम कन्नड़ टीवी सीरियल नंदा गोकुला से रखा था। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया और छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाई।

-टीवी में सफलता मिलने के बाद यश ने फिल्मों का रुख किया। साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म मोगीना मनसु से उन्होंने बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी और इसी फिल्म के लिए यश को एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था।

यश कैसे बने 'रॉकिंग स्टार'?

-फिल्मी करियर की शुरूआत के बाद यश ने एक के बाद एक कई हिट मूवीज में काम किया। 'मोगीना मनसु', 'गजकेशरी' और 'मास्टरपीस' जैसी फिल्मों ने उन्हें कन्नड़ सिनेमा का भरोसेमंद स्टार बना दिया लेकिन साल 2018 उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

-इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 1' ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया। इस फिल्म ने न सिर्फ यश की इमेज बदल दी बल्कि उन्हें देशभर में स्टारडम दिला दिया। इसके बाद 'केजीएफः चैप्टर 2' मूवी ने उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया और यश 'रॉकिंग स्टार' कहलाने लगे।

'टॉक्सिक' से फिर धमाल मचाएंगे यश

-अब यश साल 2026 में रिलीज होने जा रही फिल्म 'टॉक्सिक' के जरिए एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं।

यश की ये अपकमिंग फिल्म आगामी 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

-फिलहाल इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और नयनतारा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

-ट्रक ड्राइवर के बेटे से लेकर पैन इंडिया सुपरस्टार बनने तक का यश का सफर हर न्यूकमर के लिए प्रेरणादायक है।

सलमान खान की होने वाली बहू टीना कौन हैं, क्या करती हैं?

बॉलीवुड के मोस्ट बैचलर स्टार सलमान खान 60 की उम्र में ससुर बनने जा रहे हैं। सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने अपनी गर्लफ्रेंड टीना से इंगेजेमेंट कर ली है और जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर अयान ने अपनी रोमांटिक फोटो शेयर कर ये खुशखबरी शेयर की है। फोटो शेयर करने के बाद खान परिवार की होने वाली बहू जमकर चर्चा में आ चुकी हैं। जानिए सलमान खान के परिवार की होने वाली बहू टीना की जाति और धर्म क्या है?

अयान ने रोमांटिक फोटो शेयर लिखा ये प्यारा सा कैप्शन

बता दें सलमान खान के भांजे अयान ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "2025 में अपनी गर्लफ्रेंड को पीछे छोड़ते हुए" शेयर की गई तस्वीरों में अयान, टीना को प्यार से गले लगाए और किस करते नजर आ रहे हैं। यह प्रपोजल एक ऐसे पूल के किनारे हुआ, जो गुलाब की पंखुड़ियों से सजा था। आसमान में जगमगाती आतिशबाजी के बीच टीना अपनी सगाई की अंगूठी कैमरे को दिखाती हुई बेहद खुश लग रही थीं।

सलमान खान की बहन अलवीरा खान के बेटे हैं अयान

अयान अग्निहोत्री सलमान खान की बहन अलवीरा खान अग्निहोत्री और फिल्म निमार्ता अतुल अग्निहोत्री के बेटे हैं। वह सलमान खान के भतीजे और पटकथा लेखक सलीम खान के पोते भी हैं। इस तरह अयान हिंदी सिनेमा के सबसे प्रभावशाली फिल्म परिवारों में से एक का हिस्सा हैं।

अयान की मां मुस्लिम और पापा ब्राह्मण

सलमान खान की बहन अलवाीर खान यानी अयान की मां मुस्लिम हैं और पिता अतुल अग्निहोत्री ब्राह्मण हैं। शादी के बाद अलवीरा अपना पूरा नाम अलवीरा खान अग्निहोत्री लिखती हैं और हिंदू धर्म मानती हैं।

सलमान खान और भांजे अयान के बीच है अच्छी बॉन्डिंग

बचपन में अयान को उनके माता-पिता ने जानबूझकर लाइमलाइट से दूर रखा, जिससे उनकी सार्वजनिक उपस्थिति सीमित रही। हालांकि, सोशल मीडिया पर सलमान खान और अन्य रिश्तेदारों द्वारा साझा किए गए पारिवारिक पलों में वह कभी-कभी दिख जाते हैं। सलमान खान के साथ उनकी बेहद करीबी बॉन्डिंग अक्सर ध्यान खींचती है, खुद सलमान भी कई मौकों पर भतीजे के प्यार बरसाते नजर आते हैं।

सलमान खान के घर में जल्द बजने वाली है शहनाई, कौन हैं भाई जान की होने वाली बहू?

किस धर्म-जाति को मानती हैं सलमान खान की बहू टीना राझवानी?

टीना राझवानी हिंदू धर्म को मानती हैं और सिंधी समुदाय से तात्लुक रखती हैं। इनका राझवानी (फ्र्ंद्दल्ल) सरनेम अधिकतर सिंधी समुदाय में काफी प्रचलित है। सिंधी समाज में कई उप-समुदाय हैं राझवानी इन्हीं में से कुछ में मिलता है। टीना और अयान की कई फोटो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं जिसमें वो मंदिर में हाथ जोड़े प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं।

सलमान खान की बहू क्या करती हैं?

टीना फिल्मों में नहीं कॉपरोट वर्ल्ड की क्वीन हैं। कम्युनिकेशंस फील्ड में काम रही हैं और ब्लू एडवाइजरी से जुड़ी रही हैं। कम्युनिकेशन लीडरशिप की महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। टीना का कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी, मीडिया और ब्रांडिंग से संबंधित वर्क प्रोफाइल है।

लालू यादव का नाती, इस देश की आर्मी में ले रहा ट्रेनिंग, मां रोहिणी आचार्य हुईं इमोशनल

(जीएनएस)।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के नाती और रोहिणी आचार्य का बेटा आदित्य यादव को लेकर एक खबर इन दिनों काफी चर्चा में है। आमतौर पर लोग मान बैठे थे कि आदित्य भारतीय सेना में शामिल हुआ है, लेकिन सच्चाई इससे थोड़ी अलग है। लालू यादव का नाती भारतीय सेना में नहीं, बल्कि सिंगापुर की सेना में दो साल की कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहा है। इस बात की जानकारी खुद उसकी मां रोहिणी आचार्य ने भावुक अंदाज में सोशल मीडिया के जरिए दी है।

सिंगापुर में रह रहीं रोहिणी आचार्य ने बताया कि उनके बड़े बेटे आदित्य ने 18 साल की उम्र में अपनी प्री-यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद दो साल की 'बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग' के लिए कदम बढ़ाया है। यह ट्रेनिंग सिंगापुर में नेशनल सर्विस के तहत कराई जाती है, जो वहां के ज्यादातर पुरुष नागरिकों के लिए अनिवार्य मानी जाती है। रोहिणी ने बेटे की एक तस्वीर शेयर करते हुए गर्व और भावनाओं से

भरा संदेश लिखा, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया।

मां रोहिणी आचार्य बोलीं- 'कठिन लड़ाइयों में ही योद्धा बनते हैं'

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज उनका दिल गर्व से भरा हुआ है। उन्होंने बेटे को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आदित्य बहादुर, साहसी और अनुशासनप्रिय है और उसे हमेशा याद रखना चाहिए कि जीवन की सबसे कठिन लड़ाइयों में ही सच्चे योद्धा बनते हैं।

लालू परिवार से निकाली गई बेटी रोहिणी अथाह संपत्ति की हैं मालकिन, तेजस्वी की नेटवर्थ तो इनके मुकाबले फीकी!

लालू परिवार से निकाली गई बेटी रोहिणी अथाह संपत्ति की हैं मालकिन, तेजस्वी की नेटवर्थ तो इनके मुकाबले फीकी!

रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखा, "आज मेरा दिल गर्व से भरा हुआ है ,आज अपनी प्री -यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद 18 साल की उम्र में हमारा बड़ा बेटा आदित्य 2 साल की के लिए गया है। आदित्य तुम बहादुर,साहसी और अनुशासन के साथ रहने वाले हो,जाओ कमाल कर दिखाओ , हमेशा याद रखना जीवन की सबसे कठिन लड़ाइयों में ही योद्धा बनते हैं। हम सबों का सारा प्यार और हौसला हमेशा तुम्हारे साथ है।" क्या होती है सिंगापुर की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग सिंगापुर की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग को काफी कठिन और अनुशासनपूर्ण माना जाता है। इस ट्रेनिंग का मकसद युवाओं में शारीरिक मजबूती, मानसिक दृढ़ता, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करना होता है।

दो साल की इस अवधि में युवाओं को हथियारों की जानकारी, फायरिंग, परेड, मार्चिंग के साथ-साथ जंगल और खुले मैदानों में कठिन परिस्थितियों में जीवित रहने की ट्रेनिंग दी जाती है। ट्रेनिंग के दौरान किए गए प्रदर्शन के आधार पर ही यह तय होता है कि आगे उन्हें इन्फैंट्री, नेवी या एयरफोर्स जैसी किस यूनिट में भेजा जाएगा।

रोहिणी आचार्य वही शख्सियत हैं, जिन्होंने अपने पिता लालू यादव को किडनी दान देकर देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, हाल के समय में उन्होंने बिहार की राजनीति और लालू परिवार से खुद को अलग करने का एलान किया था।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

कोहरे के आगोश में पूरा उत्तर भारत, दिल्ली में येलो अलर्ट, कई राज्यों में भारी बारिश की आशंका

(जीएनएस)।

दिल्ली से लेकर कश्मीर तक कड़ाके की सर्दी पड़ रही है , भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 8 जनवरी को उत्तर और मध्य भारत के बड़े हिस्से में घना कोहरा और शीतलहर का आतंक बना रहेगा। क्टऊने चेतावनी दी है कि यह स्थिति अगले 5 से 7 दिनों तक रहेगी। दिल्ली से लेकर यूपी तक कोहरे ने लोगों का जीना मुहाल किया हुआ है, जिससे ट्रेनें-फ्लाइट्स सभी प्रभावित हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है। कई राज्यों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।

घने कोहरे के कारण सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रहने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। क्टऊ और प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने, वाहन चलाते समय फॉग लाइट का उपयोग करने और गति सीमित रखने की सलाह दी है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार दूसरे दिन कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। बुधवार को अधिकतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से दो डिग्री कम था। क्टऊ ने गुरुवार को अधिकतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है और 'येलो अलर्ट' जारी किया हुआ है। दिल्ली में आज अधिकतम तापमान -19-21 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री के आस-पास रह सकता है। हालांकि आज यहां पर अदकमें मामूली सुधार देखने को मिल रहा है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के आसार है, यहां पर पहले से ही ऑरेंज अलर्ट जारी है तो वहीं दूसरी ओर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और आस-पड़ोस के इलाकों में दिन और रात दोनों समय तापमान कम रहेगा। घना कोहरा सुबह और शाम के समय दिखाई देगा, जिससे दृश्यता कम और यात्रा में परेशानी हो सकती है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कड़ाइकल जैसे तटीय इलाकों में आज से भारी बारिश, गरज-चमक के साथ तूफानी हवाएं आने की चेतावनी है। यह मौसम दक्षिणी बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव क्षेत्र के कारण है। टीय इलाकों में मछुआरों को समुद्र में जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है।

'ड्रीम मिलिट्री' के लिए ट्रंप का बड़ा दांव, अमेरिकी रक्षा बजट को 50% बढ़ाने का ऐलान

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2027 के लिए अमेरिकी सैन्य बजट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों और सुरक्षा हालात को देखते हुए अब सैन्य बजट 1 ट्रिलियन डॉलर नहीं बल्कि 1.5 ट्रिलियन डॉलर होना चाहिए।

ट्रंप के मुताबिक यह फैसला सीनेटरों, सांसदों, मंत्रियों और अन्य राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ लंबे और कठिन विचार-विमर्श के बाद लिया गया है।

'ड्रीम मिलिट्री' बनाने का दावा

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि बढ़ा हुआ बजट अमेरिका को एक "ड्रीम मिलिट्री" देगा, जिससे देश किसी भी दुश्मन के खिलाफ पूरी तरह सुरक्षित और मजबूत रहेगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया बेहद अशांत और खतरनाक दौर से गुजर रही है, ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सैन्य ताकत को और मजबूत करना जरूरी हो गया है।

टैरिफ से मिली कमाई का हवाला

अपने बयान में ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ (शुल्क) नीति का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि अन्य देशों पर लगाए गए टैरिफ से अमेरिका को भारी राजस्व मिला है और उसी की बदौलत सैन्य बजट में इतनी बड़ी बढ़ोतरी संभव हो पाई है। ट्रंप ने कहा कि अगर टैरिफ से इतनी आय नहीं होती, तो वह सैन्य बजट को 1 ट्रिलियन डॉलर तक ही सीमित रखते। उनके मुताबिक, टैरिफ से होने वाली कमाई न सिर्फ सेना को मजबूत करने में मदद करेगी, बल्कि राष्ट्रीय कर्ज कम करने और अमेरिकी नागरिकों को आर्थिक लाभ देने में भी सहायक होगी।

पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार के समय अमेरिका में ऐसी आर्थिक मजबूती नहीं थी। ट्रंप ने मौजूदा आय को देश की मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत बताया। ट्रंप का कहना है कि बढ़े हुए सैन्य बजट के बावजूद अमेरिका राष्ट्रीय कर्ज कम करने में सक्षम होगा और मध्यम आय वर्ग के नागरिकों को आर्थिक लाभ भी दिया जाएगा।

हालिया सालों में तेजी से बढ़ा रक्षा बजट

डोनाल्ड ट्रंप की यह घोषणा बड़ी जरूर है, लेकिन हाल के वर्षों में अमेरिकी रक्षा बजट लगातार बढ़ता रहा है। साल 2021 में रक्षा बजट 721 अरब डॉलर था, जो 2025 तक बढ़कर 901 अरब डॉलर पहुंच गया। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने वैश्विक स्तर पर सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। हाल ही में अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक में रूस के झंडे वाले एक तेल टैंकर को भी जब्त किया है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ी सैन्य गतिविधियां

सैन्य बजट बढ़ाने की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने वैश्विक स्तर पर अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। हाल ही में अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में रूस के झंडे वाले एक तेल टैंकर को जब्त किया है।

इस कार्रवाई के बाद वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच तनाव बढ़ गया है। रूस ने इस जब्ती की कड़ी निंदा करते हुए इसे "समुद्री डकैती" करार दिया है। हालांकि, इस प्रस्तावित बजट को लेकर अमेरिकी संसद में आगे व्यापक बहस और राजनीतिक टकराव की संभावना जताई जा रही है।

तालाब में मिला राजमिस्त्री का शव, परिजनों में मचा कोहराम

पीलीभीत। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम जिरौनिया में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के पास स्थित तालाब में एक व्यक्ति का शव उतराता मिला। शव की पहचान गांव निवासी महेंद्रपाल (40) पुत्र गोकुल प्रसाद के रूप में हुई, जो पेशे से राजमिस्त्री थे।जानकारी के अनुसार, महेंद्रपाल मंगलवार शाम घर से जंगरौली बाजार जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में शव देखा तो शोर मच गया। सूचना पर सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, सुनगढ़ी इंस्पेक्टर नरेश त्यागी व

पुलिस बल मौके पर पहुंचा। फील्ड यूनिट ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महेंद्रपाल शराब पीने के आदी थे और मंगलवार शाम को भी उन्हें नशे की हालत में देखा गया था। मृतक अपने पीछे दो पुत्र और सात पुत्रियों का परिवार छोड़ गए हैं। परिवार के भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर थी।सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि शव को तालाब से निकालकर पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है। परिजनों ने फिलहाल किसी पर आरोप नहीं लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माधोटांडा में आबकारी टीम का धमाका: 75 लीटर शराब बरामद, भट्ठियां और लहन नष्ट, चार आरोपी गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,माधोटांडा।आबकारी विभाग की टीम ने माधोटांडा पुलिस की सक्रिय सहयोग से मंगलवार को कलीनगर कस्बे और भैरों खुर्द गांव में सशक्त छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में अवैध शराब के धंधे पर करारा प्रहार करते हुए 75 लीटर तैयार शराब बरामद की गई। साथ ही, शराब बनाने की कई अवैध भट्ठियों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। टीम ने करीब तीन सौ किलोग्राम लहन को भी पूरी तरह नष्ट कराया, जिससे इलाके में फैलने वाले शराब के जाल पर लगाम लग गई।

छापेमारी के दौरान टीम ने दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कलीनगर निवासी पूरनलाल, गेंदनलाल, रामवती और माया देवी के रूप में हुई है। ये सभी अवैध शराब के उत्पादन और विक्रय में संलिप्त पाए गए। आबकारी विभाग ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त मुकदमा दर्ज कर लिया है। आगे की पूछताछ में इनके अन्य संभावित साथियों का भी पता लगाया जा रहा है।

यह कार्रवाई स्थानीय स्तर पर शराबबंदी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि जन स्वास्थ्य को खतरा पहुंचाने वाले तत्वों पर अंकुश लगाया जा सके। ग्रामीणों ने इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में शराब का कारोबार थमेगा।

अमरिया तहसील में हरियाली पर लकड़हारों का कहर:बिना अनुमति पीपल काटा,हिंदू आस्था पर प्रहार!

(जीएनएस)।

पीलीभीत।अमरिया तहसील क्षेत्र के चठिया भैंसहा गांव में स्थानीय लकड़कट्टे हरियाली के दुश्मन बनते जा रहे हैं। बिना किसी सरकारी अनुमति के भूरा ठेकेदार ने पवित्र पीपल के पेड़ पर आरा चलाकर न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया, बल्कि हिंदू आस्था पर भी सीधा प्रहार किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पेड़ सदियों पुराना है और पूजा-पाठ का केंद्र रहा है। ठेकेदार द्वारा अवैध कटाई की घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया है। वन विभाग और प्रशासन ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है,

जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर इस तरह की बेलगाम कटाई को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना: 22वीं किस्त पर बड़ा अपडेट! इन दो डॉक्यूमेंट के बिना रुक जाएंगे पीएम किसान के 2000 रुपये

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (ढट-ङक्रअठ) के लाभार्थियों के लिए साल 2026 की शुरूआत एक बड़े बदलाव के साथ हुई है। केंद्र सरकार अब इस योजना में पारदर्शिता लाने और फजीवाड़े को रोकने के लिए 'यूनिक फार्मर आईडी' को अनिवार्य करने की तैयारी कर रही है। इसे किसानों की एक डिजिटल पहचान के रूप में पेश किया जा रहा है, जो आधार कार्ड की तरह ही काम करेगी।

माना जा रहा है कि 22वीं किस्त जारी होने से पहले यह नियम पूरी तरह प्रभावी हो सकता है। सरकार का स्पष्ट संकेत है कि आने वाले समय में केवल उन्हीं किसानों को ₹2,000 की किस्त मिलेगी, जिनके पास अपनी डिजिटल फार्मर आईडी होगी और जिनका ेङउ पूर्ण होगा। अब तक

करोड़ों किसान 21 किस्तें प्राप्त कर चुके हैं, लेकिन अगली किस्त के लिए उन्हें अपनी पात्रता को डिजिटल रूप से सिद्ध करना होगा।

केंद्र सरकार की इस फ्लैगशिप योजना के तहत पात्र भूमिधारक किसानों को प्रति वर्ष ₹6,000 की वित्तीय सहायता दी जाती है। यह राशि ₹2,000 की तीन बराबर किस्तों में हर चार महीने पर सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों (ऊइळ) में भेजी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को खेती के लिए बीज, खाद और अन्य आकस्मिक खर्चों में मदद करना है।

सरकार ने अब तक 21 किस्तें सफलतापूर्वक जारी कर दी हैं। 22वीं किस्त का इंतजार कर रहे किसानों के लिए ताजा अपडेट यह है:

संभावित समय: जनवरी 2026 तक किस्त जारी नहीं हुई है, लेकिन पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए यह फरवरी 2026 में आ सकती है।

आधिकारिक सूचना: तिथि की घोषणा अभी लंबित है।

महाप्रबंधक पश्चिम एवं मध्य रेलवे ने साबरमती-महेसाणा-पालनपुर सेक्शन का किया विस्तृत निरीक्षण

भारतीय रेलवे द्वारा रेल संरक्षा एवं आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण की दिशा में निरंतर अग्रसर विभिन्न विकासात्मक एवं संरक्षा संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। दिनांक 07.01.2026 को महाप्रबंधक पश्चिम एवं मध्य रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ साबरमतीझ कलोलझमहेसाणाझपालनपुर रेल खंड का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान साबरमती से पालनपुर के बीच रेलवे ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग, छोटे एवं प्रमुख पुलों, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग, सेक्शन कर्व्स तथा विभिन्न संरक्षा मानकों की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों के साथ संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा भी की गई। कलोल, महेसाणा एवं पालनपुर स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। साथ ही मास्टर केबिन, बुकिंग काउंटर, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म, वेटिंग रूम सहित विभिन्न आधारभूत संरचना कार्यों का निरीक्षण किया गया।

साबरमतीझकलोल खंड के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 240 (रढछ) का गहन निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त कलोल रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रगति पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी जायजा लिया गया।

डांगरवा स्टेशन यार्ड में पॉइंट्स संख्या 107 (किमी 743/294) तथा कर्व संख्या 116 की संरक्षा जांच की गई। साथ ही प्रमुख पुल संख्या 965 ऊ्व (कॉम्पोज़िट गर्डर) का निरीक्षण किया गया। खारी नदी पर स्थित मेजर ब्रिज संख्या 965 (किमी 719/28-8) तथा पी-वे गैंग संख्या 13 एवं 14 का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक ने गैंगमैनों से संवाद कर कार्य के दौरान उपयोग किए जा रहे सेफ्टी उपकरणों- जैसे सेफ्टी शूज, जैकेट एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता एवं समय पर आपूर्ति की जानकारी ली।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महेसाणा स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। साथ ही आरपीएफ पोस्ट, आरआरआई रूम, टीआरडी डिपो, एसएसपी कार्यालय, रेलवे हेल्थ यूनिट तथा रेलवे कॉलोनी की सुविधाओं का अवलोकन कर यात्री एवं कर्मचारियों से जुड़ी सुविधाओं का आकलन किया गया। उंझाझकामली के बीच फ्ध्र्इ नं. 932अ एवं ब्रिज संख्या 927ऊ के स्पान का भी निरीक्षण किया गया।

मीडिया से संवाद करते हुए महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के निरीक्षणों के माध्यम से रेलवे ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग, पुलों, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग तथा कर्व्स का विभिन्न संरक्षा मानकों के अनुरूप वार्षिक परीक्षण किया जाता है, जिससे सुरक्षित एवं सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने बताया कि आंबलियासनझविजापुर तथा आदरज मोटीझविजापुर के बीच गेज परिवर्तन का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं इस सेक्शन का उफ्र निरीक्षण भी संपन्न हो गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत इस मार्ग पर नई रेल सेवाओं का परिचालन प्रारंभ किया जा सकेगा।

महेसाणाझपालनपुर सेक्शन में रेलवे लाइन के डबलिंग कार्य के पूर्ण होने से ट्रेन परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भारतीय रेलवे के कुल 1337 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें पश्चिम रेलवे के 108 स्टेशन शामिल हैं।

अहमदाबाद एवं साबरमती स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत अहमदाबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 9 से 12 तथा साबरमती स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2 एवं 3 पर कार्य प्रगति पर है, जो मार्चझअप्रैल 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। इसके पश्चात दोनों स्टेशनों पर अधिक ट्रेनों का ठहराव संभव होगा, जिससे नई ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों के लिए रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से लगभग दोगुना करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में पश्चिम रेलवे से लगभग 256 ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो आगामी पाँच वर्षों में बढ़कर लगभग 450 हो जाएंगी।

इसके अतिरिक्त, रेलवे फाटक मुक्त अभियान के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर उनके स्थान पर आरयूबी/आरओबी का निर्माण किया जा रहा है। बेचराजीझरणुज रेलवे लाइन पर शीघ्र ही उफ्र निरीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत इस सेक्शन पर भी रेल परिचालन प्रारंभ किया जा सकेगा।

महाप्रबंधक ने सिद्धपुर में नवनिर्मित गुड्स शेड प्रशासनिक कार्यालय उद्घाटन किया। सिद्धपुर में नवनिर्मित जी+1 गुड्स शेड क्षेत्र में माल परिवहन संभाल क्षमता को सुदृढ़ करने तथा परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आधुनिक गुड्स शेड परिचालन आवश्यकताओं एवं हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुव्यवस्थित रूप से डिजाइन किया गया है। इस सुविधा में सीजीएस कक्ष, एफओआईएस कक्ष, व्यापारियों के लिए कक्ष तथा कैंटीन शामिल हैं, जिससे माल परिचालन का सुचारु समन्वय सुनिश्चित होगा और उपयोगकताओं एवं कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, सुविधा और स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने हेतु पर्याप्त शौचालय सुविधाएँ भी प्रदान की गई हैं।

साथ ही सिद्धपुर में नवनिर्मित रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स का रेल कर्मचारी की बालिका से उदघाटन करवाया गया गया। रेलकर्मी श्री पींटू भारती, श्री मुन्नाराम और श्री रामभरण को क्वार्टर्स की चाबियाँ सौंपी गईं।

सिद्धपुरझपालनपुर सेक्शन में 130 किमी प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल भी किया गया। पालनपुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त पालनपुर स्टेशन पर रढअफ्ळ तथा न्यू पालनपुर में रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान साबरमती स्टेशन पर पुनर्विकसित कार्यों का अवलोकन किया गया तथा लोकोमोटिव शेड साबरमती टीम द्वारा निर्मित वैक्यूम असिस्टेड ट्रैक क्लीनर (श्अळ क्लीनर) मशीन का परीक्षण भी किया गया।

अपने निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री गुप्ता ने रेलवे सलाहकार समिति के सदस्यों, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों, एसोसिएशनों, जन प्रतिनिधियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा गणमान्य नागरिकों से भी भेंट कर संवाद किया।

इस अवसर पर मुख्यालय से आए विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्षों सहित मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद, श्री वेद प्रकाश एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने रिक्रूट आरक्षियों को भीड़ प्रबंधन व यातायात पर दिया प्रशिक्षण

(जीएनएस)।

पीलीभीत। पुलिस लाइन पीलीभीत के सभागार कक्ष में आयोजित विशेष प्रशिक्षण सत्र में पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने रिक्रूट आरक्षियों को भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था के प्रभावी प्रबंधन की बारीकियां सिखाईं। इस सत्र का उद्देश्य नवागंतुक आरक्षियों को वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना था।

एसपी ने बताया कि भीड़ भरे आयोजनों में खतरे का पूर्वानुमान लगाना, भीड़ को नियंत्रित रखना और आपात स्थिति में बचाव कार्य

प्राथमिकता हैं। यातायात प्रबंधन पर चर्चा करते हुए उन्होंने चौराहों पर ट्रैफिक डायवर्जन, वाहन चेकिंग और पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर विस्तार से प्रकाश डाला। आरक्षियों को ड्यूटी के दौरान अनुशासन, संवाद कौशल और सहयोग पर बल दिया गया।

प्रशिक्षण में डेमो के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान दिया गया, जिसमें आरक्षी स्वयं विभिन्न परिदृश्यों का अभ्यास करते नजर आए। एसपी ने कहा कि मजबूत पुलिस फोर्स ही सुरक्षित पीलीभीत का आधार है। सत्र के अंत में आरक्षियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस पहल से जिले की कानून-व्यवस्था मजबूत होगी तथा आने वाले त्योहारों में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित होगा।

भारतीय किसान यूनियन (भानु) का धरना 9 जनवरी को, पूरनपुर ब्लॉक परिसर में होगा आयोजित

(जीएनएस)।

पूरनपुर,पीलीभीत।भारतीय किसान यूनियन (भानु) द्वारा पूर्व में 10 जनवरी को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन अब अवकाश होने के कारण एक दिन पूर्व 9 जनवरी, शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। यह धरना पूरनपुर ब्लॉक परिसर में किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

यह आंदोलन पूरनपुर क्षेत्र में लंबे समय से विवादों में घिरे ग्राम पंचायत सचिव अखिलेश गुप्ता के खिलाफ किया जा रहा है। संगठन का आरोप है कि सचिव द्वारा ग्राम पंचायत शेरपुर में कार्यों के संचालन में अनियमितताएं बरती गई हैं, जिससे किसानों और ग्रामीणों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने सचिव को तत्काल शेरपुर ग्राम पंचायत से हटाने की मांग की है।

भाकियू (भानु) के पदाधिकारियों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायतें देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। संगठन का आरोप है कि ग्राम पंचायत से जुड़े विकास कार्यों, अभिलेखों और योजनाओं में पारदर्शिता का अभाव है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

यूनियन ने सभी किसान साथियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में समय पर पूरनपुर ब्लॉक परिसर पहुंचकर धरना-प्रदर्शन को सफल बनाएं। संगठन का कहना है कि जब तक किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।धरना-प्रदर्शन को लेकर प्रशासन की ओर से भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की संभावना है। किसानों का कहना है कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन मांगें पूरी होने तक वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

दिल्ली में प्रदूषण ने बढ़ाई टेंशन, कोहरे के कारण उड़ानों में देरी, 11 जनवरी तक अलर्ट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार की सुबह प्रकृति और प्रदूषण के दोहरे प्रहार ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। एक ओर जहां घने कोहरे की सफेद चादर ने सड़कों पर दृश्यता को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया, वहीं दूसरी ओर हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पार चला गया है, जो 'खतरनाक' श्रेणी में आता है।

यूपी एसआईआर में सभी 75 जिलों मे कहां कितने वोट कटे?

1. सहारनपुर – 4,32,534 (16.37%), 2. मुजफ्फरनगर – 3,44,217 (16.29%), 3. मेरठ – 6,65,635 (24.65%), 4. गाजियाबाद – 8,18,139 (28.83%), 5. बुलन्दशहर – 4,03,369 (15.14%), 6. गौतम बुद्ध नगर – 44,74,71 (23.98%), 7. बागपत – 177299 (18.15%), 8. आगरा – 8,36,943 (23.25%), 9. अलीगढ – 5,20,189 (18.60%), 10. मथुरा – 3,73,793 (19.19%), 11. फिरोजाबाद – 3,44,752 (18.13%), 12.मैनपुरी – 2,26,875 (16.17%), 13. एटा – 2,20,426 (16.80%), 14. हाथरस – 1,89,616 (16.30%), 15. बरेली – 7,14,753 (20.99%), 16. बदायूं – 4,92,995 (20.39%), 17. शाहजहांपुर – 5,03,922 (21.76%), 18. पीलीभीत – 1,99,772 (13.61%), 19. मुरादाबाद – 3,87,611 (15.76%), 20. रामपुर – 3,21,571 (18.29%), 21.बिजनौर– 4,27,159 (15.53%), 22.अमरोहा – 1,81,177 (13.22%), 23. कानपुर नगर – 9,02,148 (25.50%), 24. कानपुर देहात – 2,03,957 (15.26%), 25. इटावा – 2,33,018 (18.95%), 26. फरुर्खाबाद – 2,90,824 (20.80%), 27. कन्नौज – 2,78,095 (21.57%), 28. औरैया – 1,58,055 (15.36%), 29. प्रयागराज – 11,56,305 (24.64%), 30. फतेहपुर – 3,15,468 (16.32%), 31. प्रतापगढ़ – 5,00,109 (19.81%), 32. कौशांबी – 2,19,698 (18.00%), 33. झांसी – 2,19,612 (13.92%), 34. ललितपुर – 95,447 (9.95%), 35. जालौन – 2,12,059 (16.34%), 36. हमीरपुर – 90,560 (10.78%), 37. महोबा – 85,352 (12.42%), 38. बांदा – 1,75,421 (13.00%), 39.चित्रकूट – 1,00,092 (13.67%), 40. वाराणसी – 5,73,203 (18.18%), 41. जौनपुर – 5,89,543 (16.51%), 42. गाजीपुर – 4,08,689 (13.85%), 43. चंदौली – 2,30,086 (15.45%), 44. मिजार्पुर – 3,42,761 (17.94%), 45. सोनभद्र – 2,51,964 (17.93%), 46. भदोही – 2,06,320 (16.73%), 47. आजमगढ़ – 5,66,606 (15.25%), 48. मऊ – 3,00,223 (17.52%), 49. बलिया – 4,55,976 (18.16%), 50. गोरखपुर – 6,45,625 (17.61%), 51. महाराजगंज – 3,01,022 (15.11%), 52.देवरिया – 4,14,799 (17.22%), 53.कुशीनगर – 5,02,640 (18.65%), 45. सोनभद्र – 2,51,964 (17.93%), 46. भदोही – 2,06,320 (16.73%), 47. आजमगढ़ – 5,66,606 (15.25%), 48. मऊ – 3,00,223 (17.52%), 49. बलिया – 4,55,976 (18.16%), 50. गोरखपुर – 6,45,625 (17.61%), 51. महाराजगंज – 3,01,022 (15.11%), 52.देवरिया – 4,14,799 (17.22%), 53.कुशीनगर – 5,02,640 (18.65%), 54. बस्ती – 2,98,287 (15.70%), 55. सिद्धार्थनगर – 3,98,900 (20.33%), 56. संत कबीर नगर – 2,66,870 (19.96%), 57. लखनऊ – 12,00,138 (30.04%), 58.उन्नाव – 4,07,171 (17.51%), 59. रायबरेली – 3,48,862 (16.35%), 60.सीतापुर – 6,23,772 (19.55%), 61.हरदोई – 5,44,682 (18.04%), 62. खीरी (लखीमपुर) – 5,05,802 (17.50%), 63. गोंडा – 4,69,637 (18.40%), 64.बहराइच – 5,41,328 (20.44%), 65.बलरामपुर – 4,11,200 (25.98%), 66. श्रावस्ती – 1,34,992 (16.51%), 67. अयोध्या – 3,35,742 (17.69%), 68. सुल्तानपुर – 3,16,947 (17.19%), 69. बाराबंकी – 3,73,154 (16.00%), 70. अम्बेडकर नगर – 2,58,547 (13.82%), 71. कासगंज – 1,72,238 (16.28%), 72.अमेठी – 2,67,241 (18.60%), 73. हापुड – 2,57,903 (22.30%), 74. शामली – 1,63,458 (16.75%), 75. संभल – 3,18,601 (20.29%)

वन रेंज मलिहाबाद और माल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बसंतपुर के जगदीशपुर गांव में बीती रात को हरे नीम के पेड़ पर चल रहा था आरा...

लखनऊ (जीएनएस)। सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल होने के बाद वन विभाग की उड़न दस्ता टीम ने प्रतिबंधित नीम की लकड़ी डाला में लोडिंग थी पकड़ लिया वन रेंज मलिहाबाद लेकर गए थे

सुरेश गौतम पुत्र मुन्नीलाल की बाग में कांटे गए थे हरे भरे नीम के पेड़ बीती रात को उड़न दस्ता टीम ने पिकअप डाला समेत लकड़ी को पकड़ा

वन विभाग के कर्मचारी की सह पर चल रहा था आरा

सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल होने के बाद वन विभाग की उड़न दस्ता टीम ने पिकअप डाला में हरी भरी नीम की लकड़ी भरी हुई थी पिकअप डाला को पकड़ कर वन रेंज मलिहाबाद में खड़ा किया

क्या कार्यवाही होगी या फिर सुविधा शुक्ला लेकर छोड़ दिया जाएगा, देखने वाली बात होगी ?

सरकार की प्रभावी नीतियों से उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट में 53% की वृद्धि

यूपी में बढ़ा निवेशकों का भरोसा, एक साल में 309 परियोजनाएं पंजीकृत

बेहतर हुई टाउनशिप नीति तो पूंजी निवेश 44 हजार करोड़ से बढ़कर 68 हजार करोड़ तक पहुंचा

धार्मिक पर्यटन के विकास से रियल एस्टेट को मिली गति, छोटे शहरों की ओर भी रुख कर रहे हैं निवेशक

लखनऊ, 7 जनवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उप्र सरकार द्वारा प्रदेश की टाउनशिप नीति को बेहतर करने का नतीजा यहां रियल एस्टेट के क्षेत्र में अद्वितीय वृद्धि के रूप में देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में प्रदेश के रियल एस्टेट में 68 हजार 328 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है जो 2024 में 44 हजार 526 करोड़ रुपये था। यानी निवेश में 53.5% की प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज हुई है। प्रदेश में बीते एक वर्ष में रिकॉर्ड 309 परियोजनाएं पंजीकृत हुई हैं जो उप्र सरकार की नीतियों के प्रति निवेशकों के भरोसे को दर्शाती हैं।

सरकार ने बीते वर्ष टाउनशिप नीति में परिवर्तन करके बिल्डरों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ में टाउनशिप बनाने की बाध्यता समाप्त की थी और

ये छूट दी गई थी कि वे न्यूनतम 12.5 एकड़ पर टाउनशिप बना सकेंगे। इसके अलावा नई टाउनशिप नीति में आवंटियों के हितों का ध्यान भी रखा गया। 25 एकड़ की टाउनशिप को तीन साल में और इससे ज्यादा की टाउनशिप को अधिकतम 5 साल में पूरा करने के नियम बनाए गए। जबकि पहले की नीतियों के चलते कई परियोजनाएं 8 से 12 साल की अवधि में भी पूरी नहीं हो पाई और आवंटियों का पैसा फंस गया। टाउनशिप नीति में बदलाव निवेशकों के साथ-साथ आवंटियों के लिए राहत देने वाला सिद्ध हो रहा है।

एनसीआर ही नहीं, छोटे शहर भी कर रहे आकर्षित

कुछ समय पहले तक एनसीआर यानी नेशनल कैपिटल रीजन उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था, लेकिन वर्ष 2025 के आंकड़े ये बताते हैं अब निवेशकों का रुझान गैर-एनसीआर जिलों और उप्र के छोटे जनपदों की ओर भी बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में पंजीकृत हुई कुल 308 परियोजनाओं में से 122 एनसीआर में और 186 परियोजनाएं गैर-एनसीआर क्षेत्रों में स्वीकृत हुई हैं। इससे स्पष्ट होता है कि उप्र सरकार द्वारा किए गए बुनियादी ढांचे के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और टियर-2 शहरों के विस्तार का रियल एस्टेट के क्षेत्र में सकारात्मक असर पड़ा है।

राजधानी लखनऊ बनी केन्द्र

उप्र की राजधानी लखनऊ बीते वर्ष में 67 परियोजनाओं के साथ एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। वहीं अन्य शहरों की बात करें तो बरेली में 15 और आगरा में 14 परियोजनाएं रजिस्टर्ड हुई हैं। इसके अलावा बुलंदशहर, रामपुर, चंदौली, उन्नाव, गोंडा, मऊ, मिजार्पुर जैसे शहरों तक बिल्डर नए प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहे हैं।

धार्मिक पर्यटन से मिल रहा है विस्तार

उत्तर प्रदेश में बढ़ते धार्मिक पर्यटन के चलते भी इन शहरों में रियल एस्टेट निवेश बढ़ा है। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में साल 2025 में 23 परियोजनाएं पंजीकृत हुई हैं। वहीं श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में 5, बाबा काशी विश्वनाथ के धाम वाराणसी में 9, संगमनगरी प्रयागराज में 7 परियोजनाओं का पंजीकरण हुआ है। उप्र सरकार के प्रयासों से ये शहर बेहतर कनेक्टिविटी, शहरी पुनर्विकास

यूपी चुनाव की तैयारी: भाजपा में पहले 14 जिलाध्यक्ष होंगे नियुक्त, फिर संगठन में फेरबदल, ये है पूरा प्लान

लखनऊ ,

यूपी में भाजपा के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति इस महीने के अंत तक हो सकती है। इसके बाद संगठन में फेरबदल की तैयारी है। नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए कई जिलों में जारी अंदरूनी कलह को संभालना भी बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश भाजपा संगठन को और मजबूत करने की तैयारियां एक बार फिर तेज हो गई हैं। नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती पार्टी संगठन के तहत गठित 98 जिलों में से शेष बचे 14 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति है। इसके बाद प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर संगठनात्मक फेरबदल की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, पहले इन 14 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी की जाएगी, जिसके बाद अगले महीने से प्रदेश स्तरीय संगठन में बदलाव पर मंथन शुरू होगा। इससे पहले नियुक्त किए गए 84 जिलाध्यक्षों को लेकर उठ रहे सवालों और कई जिलों में जारी अंदरूनी कलह को संभालना भी नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रदेश संगठन के चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडे ने दो चरणों में 84 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की थी, लेकिन जनप्रतिनिधियों के बीच खींचतान और सहमति न बन पाने के कारण 14 जिलों में नियुक्ति लंबित रह गई। इनमें प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी शामिल है। पंकज चौधरी ने परिचयात्मक दौरों के जरिये कार्यकर्ताओं से संवाद शुरू

किया है। वे लगातार यह संकेत दे रहे हैं कि आगामी संगठनात्मक फैसलों में कैडर आधारित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे यह स्पष्ट है कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में संगठनात्मक संतुलन और कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होगी।

सूत्रों के मुताबिक, जिन 14 जिलों में अभी नियुक्ति नहीं हो पाई है, उनमें अंबेडकरनगर, गोंडा, अयोध्या जिला व महानगर, वाराणसी जिला, चंदौली, मिजार्पुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, लखीमपुर, पीलीभीत, शामली, सहारनपुर और अमरोहा शामिल हैं। इन जिलों में क्षेत्रीय विधायकों और दावेदारों के बीच मतभेद के कारण सहमति नहीं बन सकी थी। दरअसल जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में जातीय समीकरणों और जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों ने प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया। कई जिलों में मौजूदा अध्यक्षों की दोबारा या तीसरी बार दावेदारी भी विवाद का कारण बनी। इसी बीच नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति होने से अब इन जिलों में संतुलन साधने की जिम्मेदारी सीधे उनके कंधों पर आ गई है।

नए पैनल पर होगा फैसला: सूत्र बताते हैं कि शेष 14 जिलों के लिए संबंधित क्षेत्रीय संगठनों से तीन-तीन नामों के नए पैनल मांगे गए हैं। पुराने पैनल मौजूद होने के बावजूद नए प्रदेश अध्यक्ष ने नए सिरे से नाम भेजने को कहा है। इन पर अंतिम निर्णय के बाद जिलाध्यक्षों की घोषणा की जाएगी, जिसके बाद प्रदेश और क्षेत्रीय संगठन में व्यापक फेरबदल की प्रक्रिया शुरू होगी।

लखनऊ : नगराम क्षेत्र मे महिला का नरकंकाल मिलने से इलाके मे सनसनी, हत्या की आशंका

लखनऊ : (जीएनएस)। नगराम क्षेत्र मे महिला का नरकंकाल मिलने से इलाके मे सनसनी,हत्या की आशंका।।

शव के पास मिले कपड़े से लापता महिल का होने की जताई आशंका।

दो टूक : राजधानी लखनऊ के थाना नगराम क्षेत्र कुबहरा गांव में एक खेत में महिला का नरकंकाल मिलने से इलाके मे सनसनी फैल गई देखते देखते गॉव वासियों भीड़ जुट गई और सूचना पाकर स्थानीय पुलिस समेत पुलिस आलाधिकारी मौके पर पहुचकर छानबीन शुरू की। फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किया।

मिला नरकंकाल कुबहरा गॉव निवासी मजदूर की पत्नी के रूप में आशंका जताई जा रही है जो 12 दिसंबर से लापता थी जिसके सम्बंध मे नगराम थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमॉर्टम और ऊ्ठअ जांच के लिए भेजा दिया है।

विस्तार:

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह थाना नगराम क्षेत्र कुबहरा गांव सरसों के खेत में एक नरकंकाल मिलने की सूचना पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर थाना नगराम पुलिस के साथ एसीपी मोहनलालगंज मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने नरकंकाल के आस पास घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी और नरकंकाल को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं पास में 12 दिसंबर को गांव से लापता एक महिला की साड़ी भी बरामद हुई। इससे आशंका जताई जा रही की नरकंकाल उसी महिला का होगा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और डीएनए जांच के बाद पता चलेगा कि नरकंकाल लापता महिला का है या किसी और का है। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और गुमशुदगी से जुड़े सभी रिकॉर्ड खंगाले जा रहे है अग्रिम कार्रवाई मे जुटी हुई है।

बता दे कि – थाना नगराम के कुबहरा गांव निवासी मजदूर पितम्बर की 30 वर्षीय पत्नी पूनम बीते 12 दिसंबर से अचानक लापता है जिनकी परिजन काफी तलाश की कुछ पता न चलने पर इस संबंध में थाना नगराम में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

ऑपरेशन खत्म, दर्द बढ़ता गया! लखनऊ के एरा हॉस्पिटल में मरीज के पेट में छूटा सर्जिकल औजार–13 डॉक्टरों पर एफआईआर से मचा हड़कंप

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्वास्थ्य सेवाओं को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी अस्पताल में सर्जरी के दौरान डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही के चलते मरीज के पेट में सर्जिकल

औजार ही छूट गया। इस घटना ने न सिर्फ मरीज की...

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्वास्थ्य सेवाओं को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी अस्पताल में सर्जरी के दौरान डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही के चलते मरीज के पेट में सर्जिकल औजार ही छूट गया। इस घटना ने न सिर्फ मरीज की जान खतरे में डाली, बल्कि निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, यह मामला लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके स्थित एरा हॉस्पिटल से जुड़ा है। एल्डिको सिटी की रहने वाली रूपा शर्मा ने आरोप लगाया है कि अस्पताल में उनके ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने सर्जिकल औजार पेट में छोड़ दिया। ऑपरेशन के बाद उन्हें लगातार तेज दर्द और परेशानी होती रही। जब उन्होंने इसकी शिकायत अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों से की, तो उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया।

दूसरे अस्पताल में हुआ खुलासा

लगातार बढ़ते दर्द के कारण रूपा शर्मा ने किसी दूसरे अस्पताल में जांच कराई। वहां एक्स-रे रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि उनके पेट में एक सर्जिकल औजार मौजूद है। इसके बाद दूसरे अस्पताल में दोबारा ऑपरेशन कर उस औजार को सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया। इस पूरी घटना के कारण पीड़िता को शारीरिक के साथ-साथ मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ी। इसके बाद रूपा शर्मा ने न्याय के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले को गंभीर मानते हुए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पुलिस को FIR दर्ज करने का आदेश दिया।

13 डॉक्टरों और दो मालिकों पर एफआईआर

कोर्ट के आदेश के बाद ठाकुरगंज थाना पुलिस ने एरा हॉस्पिटल के 13 डॉक्टरों और अस्पताल के दो मालिकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में ऋक्रफ दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला एक बार फिर निजी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा और इलाज की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

प्रदेश में गलन और ठिठुरन चरम पर, अयोध्या और आजमगढ़ सबसे ठंडे जिले; आज 32 जिलों के लिए अलर्ट जारी

लखनऊ , (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में ठंड और कोहरे का प्रकोप अपने चरम पर है। सर्द पछुआ हवाओं ने लोगों का जीवन मुश्किल कर दिया है। वहीं घने कोहरे ने भी सड़क और रेल यातायात को प्रभावित किया है। बुधवार को भी प्रदेश में पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में दोपहर तक धूप नहीं खिली और कोहरे का साया बना रहा। जहां धूप हुई भी, वहां गलन हावी रही।

बुधवार को 5 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ अयोध्या और आजमगढ़ प्रदेश में सबसे ठंडे। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए प्रदेश के तराई व दक्षिणी यूपी के 24 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

20.15 लाख किसानों से की गई 'खेत की बात'

'खेती की बात खेत पर' थीम के साथ हुई 'किसान पाठशाला-8.0'

12 दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी से किया था शुभारंभ

12.62 लाख पुरुष व 7.53 लाख महिला किसानों को योजनाओं, तकनीक, नवाचार आदि से किया गया प्रशिक्षित

लखनऊ, 7 जनवरी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किसान पाठशाला लगाकर किसानों को आधुनिक खेती, सरकार की योजनाओं व खेती में नवाचार के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। कृषि विभाग के तत्वावधान में इस वर्ष भी किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। 'खेती की बात खेत पर' थीम के साथ किसान पाठशाला 8.0 रबी: (2025-26) हुई। इसमें 20.15 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिसंबर को पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा के गांव दौलतपुर, बाराबंकी से किसान पाठशाला का शुभारंभ किया था।

12.62 लाख पुरुष व 7.53 लाख महिला किसानों को नवाचार का दिया गया प्रशिक्षण

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि रबी सीजन में कृषि विज्ञान केंद्र, पैक्स सोसाइटी, ग्राम पंचायत सचिवालय, प्रगतिशील किसानों के साथ ही प्रदेश के 21 हजार ग्राम पंचायतों में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के कुल 20.15 लाख किसानों ने हिस्सा लिया। इसमें 12.62 लाख पुरुष व 7.53 लाख महिला किसानों को कृषि व सहवर्ती विभागों की योजनाओं के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों व कृषि विज्ञान केंद्रों में किए जा रहे नवाचारों से प्रशिक्षित किया गया।

2017-18 से अब तक दो करोड़ से अधिक किसान किए जा चुके प्रशिक्षित

कृषि विभाग के मुताबिक किसान पाठशाला के अंतर्गत 2017-18 से अब तक दो करोड़ से अधिक किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। किसान पाठशाला का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती के लिए शिक्षित करना और उनकी आय दोगुनी करना है। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती की तकनीक, प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, सरकारी योजनाओं और आय बढ़ाने के तरीकों की व्यावहारिक ट्रेनिंग देना है, जिससे वे कम लागत में बेहतर पैदावार कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। इसमें फसल सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य, बागवानी, नई तकनीक समेत विभिन्न पहलुओं पर जानकारी भी दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ- उत्तर प्रदेश में प्रगति और कार्ययोजनाओं की समीक्षा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की समीक्षा बैठक, मिशन कर्मयोगी के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की, कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम को बनाएं अनिवार्य-उट, सभी विभाग आईगॉट पोर्टल पर अपलोड करें-उट,'अक्साइबर सिक्योरिटी को अनिवार्य रूप से शामिल करें', मिशन कर्मयोगी ढट मोदी की परिवर्तनकारी पहल-उट, ट्रेनिंग सेंटर कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम अनिवार्य-उट'अफसरों,कर्मियों के लिए 7 दिनी कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम'18.8 लाख से अधिक कार्मिक पोर्टल पर ऑनबोर्ड-सीएम,ऑईगॉट कर्मयोगी के क्रियान्वयन में यूपी अग्रणी राज्य

➡लखनऊ- छोटे इमामबाड़े से घंटाघर तक गाड़ियों का जमावड़ा, होटलों के बाहर खड़े हो रहे बेतरतीब वाहन, बेतरतीब खड़े वाहनों से पयर्टक परेशान, अतिक्रमण से बिगड़ी ऐतिहासिक इमारतों की खूबसूरती, 3 चौकी इंचार्ज जाम के कारण हुए थे लाइन हाजिर

➡आगरा – साइबर ठगी की घटना का खुलासा, साइबर सेल ने रुपए वापस कराए, ठगी के 75,322 रुपए वापस कराए , फोन हैक कर खाते से हुई थी ठगी, फर्जी बैंककर्मी बनकर ठगों ने की थी ठगी, बढ़ती घटनाओं को लेकर पुलिस की अपील

➡कन्नौज – 9 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार, एसीजेएम कोर्ट से फरार चल रहा था , श्रीराम पर साल 2016 में दर्ज हुआ था केस, तिर्वा कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

➡झांसी- पति के मर्डर के बाद घायल बेटे की मौत, बेटे की इलाज के दौरान रहस्यमय मौत , बेटे को दोबारा प्रताड़ित करने का आरोप, शहर कोतवाली क्षेत्र का मामला

➡पीलीभीत – युवक ने छात्रा से अश्लील हरकत की, हिंदू संगठन ने आरोपी युवक को पकड़ा, आरोपी युवक को पकड़कर पुलिस को सौंपा, थाना बरखेड़ा क्षेत्र का पूरा मामला

➡आगरा – मेट्रो-जल निगम कार्यों पर मंडलायुक्त की सख्ती, मेट्रो पिलर पूरा होते ही बैरिकेडिंग हटाने के निर्देश, फतेहाबाद रोड पर घटिया काम पर जल निगम को फटकार, स्मार्ट रोड मानकों से होगा फतेहाबाद रोड का जीर्णोद्धार, खुदाई कर गड्ढे छोड़ने पर भारी जुमार्ने की चेतावनी, माल रोड-एमजी रोड का निरीक्षण कर बनेगी कार्ययोजना, जाम,प्रदूषण नियंत्रण में लापरवाही नहीं चलेगी-आयुक्त, नंद टॉकीज-मधुनगर रोड,एमजी रोड होंगे गड्ढामुक्त

➡हापुड़- होटल में मारपीट करने का मामला, पुलिस ने 6 आरोपियों को अरेस्ट किया, मारपीट करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार, नगर कोतवाली क्षेत्र में की थी मारपीट

➡फरुर्खाबाद – शिशु मंदिर स्कूल अवकाश के बाद खोला गया, कड़ाके की सर्दी में बच्चे पहुंचे स्कूल, स्कूल खुलने,बच्चों के पहुंचने का वीडियो , सरस्वती शिशु मंदिर सेनापति का मामला

➡सीतापुर- ऊ्ट ने धर्म गुरुओं के साथ कि बैठक, 84 कोसीय होली परिक्रमा को लेकर बैठक, बैठक में धर्म गुरुओं का माला पहनाकर स्वागत, परिक्रमा, पड़ाव को लेकर धर्म गुरुओं ने दिए सुझाव, बैठक में उऊ्ड, रऊ्ट समेत अन्य अधिकारी रहे मौजूद, मिश्रिख तहसील सभागार में आयोजित हुई बैठक

➡हापुड़ – खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, करीब 4 टन नकली शहद पकड़ा, गाड़ी का पीछा कर पकड़ा नकली शहद , नकली शहद उतरने की मिली थी सूचना , आंध्र प्रदेश भेजा जा रहा था नकली शहद, तुंगनाथ ट्रेडर्स के संचालक का बड़ा कारोबार, अंकित का नकली शहद सप्लाई करने का कारोबार , नगर कोतवाली क्षेत्र का मामला

➡औरैया- किशन गुप्ता की हत्या का वीडियो सामने आया, वीडियो में पेट्रोल पंप पर ड्यूटी न देने का जिक्र, जिस पंप का जिक्र,वहीं पर गोली मारकर हत्या , चेयरमैन अनूप गुप्ता के भतीजे ने की थी हत्या, अनूप गुप्ता की रिवॉल्वर से किशन की हत्या का संदेह, पुलिस जांच में जुटी, वीडियो से नए सुराग की उम्मीद, औरैया के सदर कोतवाली क्षेत्र का है मामला

➡आगरा – वाइल्डलाइफ रडर का हापुड़ में रेस्क्यू ऑपरेशन, लोहे के जाल में फंसी मादा तेंदुए को बचाया , वन विभाग, वाइल्डलाइफ रडर का रेस्क्यू ऑपरेशन, सरसों के खेत में जाल में फंसा था तेंदुए का पैर, 4 घंटे चले रेस्क्यू के बाद तेंदुए को मिली नई ज़िंदगी, शिवालिक के जंगल में छोड़ी गई मादा तेंदुआ

➡हापुड़- भारत समाचार की खबर का असर, होटल में मारपीट करने का मामला, पुलिस ने 6 आरोपियों को अरेस्ट किया, मारपीट करने वाले 6 आरोपी पकड़े, नगर कोतवाली क्षेत्र में की थी मारपीट

➡आगरा – अक से बना फर्जी वीडियो हो रहा वायरल , खेरिया मोड़ पुल गिरने की अफवाह, वीडियो वायरल करने वालों पर कार्रवाई की मांग , फर्जी खबर फैलाने वालों पर कार्रवाई की तैयारी, थाना शाहगंज क्षेत्र में बना है खेरिया मोड़ पुल

➡आजमगढ़ – गोवंश तस्करी के मामले में कार्रवाई, पुलिस ने 2 अभियुक्त को किया गिरफ्तार, घेराबंदी कर पुलिस ने किया गिरफ्तार , जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र का मामला

➡सहारनपुर – रढ ग्रामीण ने थाना फतेहपुर का किया वार्षिक निरीक्षण, थाना कार्यालय,सीसीटीएनएस कार्यालय का गहन परीक्षण, महिला हेल्प डेस्क, बंदीगृह,मैस की व्यवस्था का जायजा, मालखाना और शस्त्रों के रख-रखाव एवं संचालन की जांच, थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण, अपराधों और लंबित विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा

➡बागपत – रक्रू प्रक्रिया के बाद 1,77,300 वोटर कम हुए, 976798 वोटरों में से 799499 वोटर बचे, बागपत विधानसभा में 56398 वोटर कम हुए, बड़ौत विधानसभा में से 61655 वोटर कम हुए, छपरौली विधानसभा में 59247 वोट काटे गए

➡मथुरा- व्यापारी सतीश गर्ग हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, मृतक का सगा भतीजा लाला उर्फ रितेश है आरोपी, आरोपी पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का 35 लाख कर्ज था, कर्ज चुकाने के लालच में फूफा की हत्या की योजना बनाई, सतीश गर्ग की हत्या कर ज्वैलरी,कैश और मोबाइल लूटा, हनुमान मंदिर के पास वृंदावन-मथुरा रोड से गिरफ्तार, करीब 45 किलो चांदी, 19.59 ग्राम सोना, कैश बरामद, पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूला, थाना गोविंदनगर पुलिस,स्वाट टीम ने किया अरेस्ट